B.Ed. Ist year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- Bloom Taxonomy

प्रो० बी० एस० ब्लूम ने शैक्षिक लक्ष्यो को वर्गीकरण करने की दिशा मे सराहनीय कार्य किया। बी० एस० ब्लूम शिकागो विश्वविद्यालय अमेरिका मे प्रोफेसर थे। इन्होने उद्देश्यो को तीन पक्षो मे विभाजित किया। उनका विचार था कि छात्रो मे व्यवहारिक परिवर्तन करके उसके ज्ञानात्मक, भावात्मक, एवं क्रियात्मक क्षेत्रो मे परिवर्तन के कारण होते है। इसी आधार पर छात्र के अपेक्षित व्यवहारिक परिवर्तन को तीन भागो मे बाँटा है।

⇒ ज्ञानात्मक पक्ष (Cognitive Domain)

⇒ भावात्मक पक्ष (Affective Domain)

⇒ क्रियात्मक पक्ष (Conative or Psychomotor Domain)

* ज्ञानात्मक पक्ष *
(Cognitive Domain)

प्रो० बी० एस० ब्लूम एवं उनके सहयोगियो ने सन् 1956 मे ज्ञानात्मक क्षेत्र के लक्ष्यो को छः उपभागो मे बाँटा। यह पक्ष बालक के ज्ञान (knowledge) प्राप्त करने से सम्बन्धित है।

बालक नवीन तथ्यो, सूचनाओ, घटनाओ एवं सिद्धान्तो की जानकारी प्राप्त करता है। इससे अभिज्ञान एवं स्मरण की प्रक्रिया सक्रिय रहती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

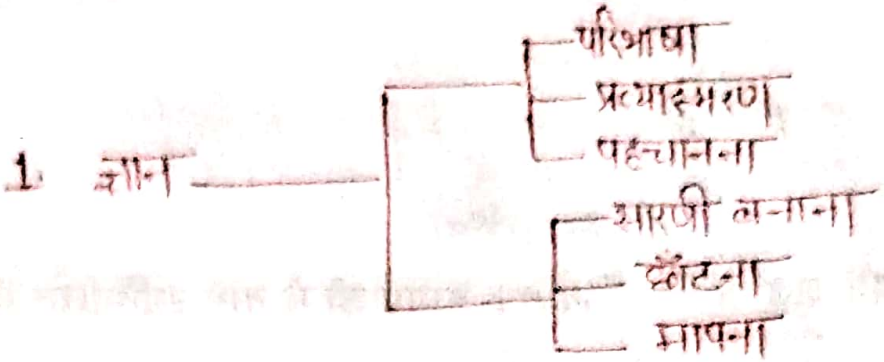

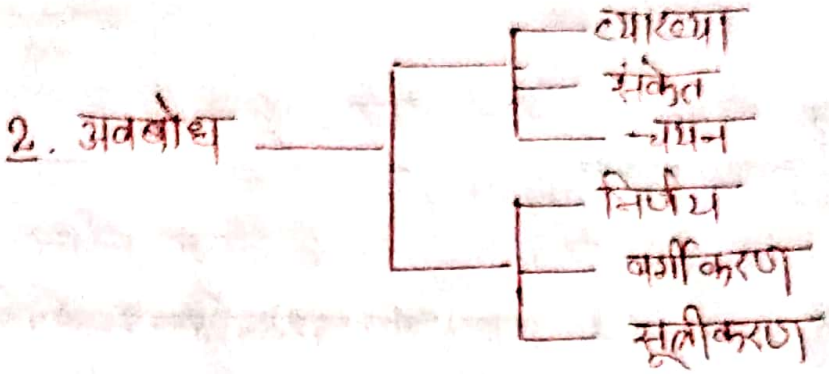

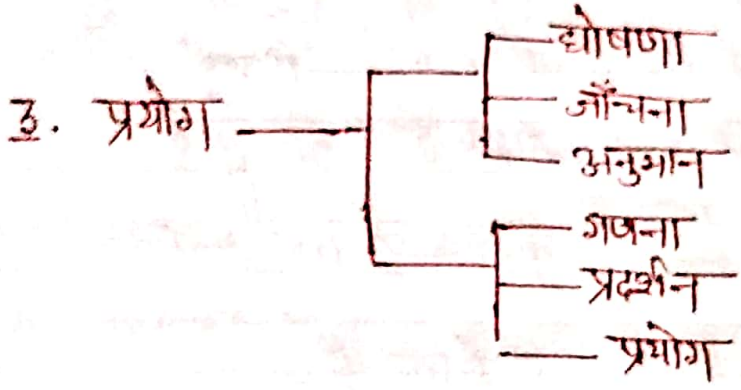

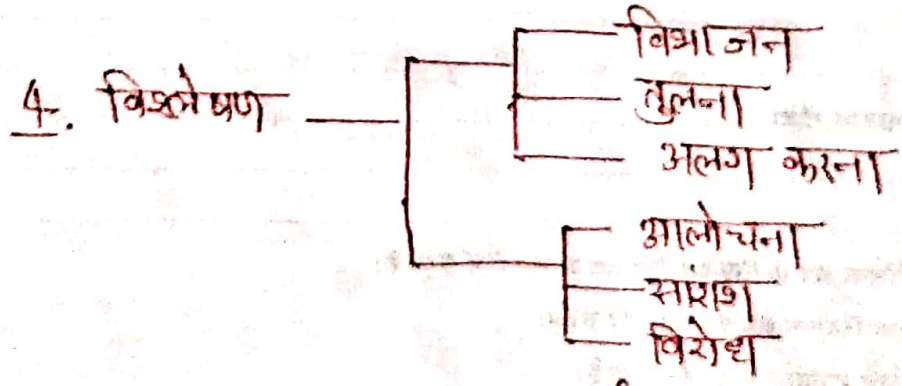

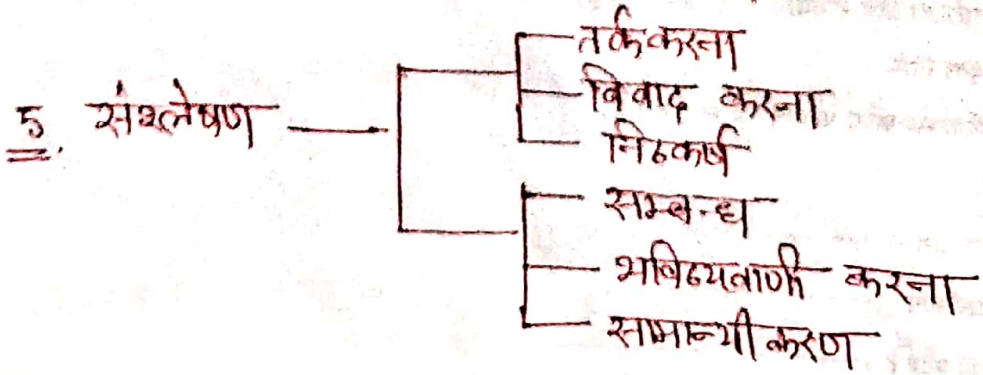

P.T.O.

Scanned with CamScanner

6. मूल्यांकन
- निर्णय
- निर्धारण
- मूल्यांकन
- प्रतिवाद करना
- अक्रमण
- पहचान

1. ज्ञान

"इसके अन्तर्गत छात्रो को विषय-वस्तु से सम्बन्धित विभिन्न पदो, प्रत्ययो, प्रक्रियाएँ, सूत्र, संकेत आदि का प्रत्यास्मरण तथा पहचान करायी जाती है", या वस्तु/पदार्थ के बारे मे जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके लिए कक्षा मे शिक्षण-अधिगम की समुचित परिस्थीतियाँ उत्पन्न की जाती है। और अधिगम प्रतिफल को विशिष्ट व्यवहारिक पदो के रूप मे लिखा जाता है।

2 अवबोध

यह प्रकरण बिना ज्ञान के सम्भव नही है। ज्ञान आधार प्रस्तुत करता है। विद्यार्थी किसी वस्तु/पदार्थ के बारे मे जानकारी प्राप्त करके उसकी व्याख्या अपने शब्दो मे दूसरो के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकते है। अत: वस्तु के बारे मे पूर्ण जानकारी सहयोग करती है।

3. प्रयोग

इसके अन्तर्गत विद्यार्थी प्राप्त ज्ञान एवं अवबोध का समस्याओ को हल करने के लिए उपयोग करते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

किसी भी तथ्य, नियम या सिद्धान्त का सामान्यीकरण करके तथा विषयगत - कठिनाइयों का निदान करके उसके उपचार हेतु यह आवश्यक है।

4 विश्लेषण

इसके अन्तर्गत विद्यार्थी किसी तथ्य, नियम, सिद्धान्त या प्रक्रिया को छोटे-2 भागो मे विभक्त करता है। मुख्य रूप से इसमे सम्बन्धो के विश्लेषण पर विशेष महत्व दिया जाता है। लेकिन विश्लेषण की यह प्रक्रिया ज्ञान, बोध व प्रयोग उद्देश्यो के बाद ही सम्भव होती है।

5. संश्लेषण

यह उद्देश्यो के क्रम मे उच्चतर स्तर माना जाता है। इस प्रक्रिया मे विश्लेषण का विपरीत क्रम किया जाता है। विश्लेषण मे विषय-वस्तु को छोटे-2 भागो मे विभक्त करते है परन्तु इसमे विभक्त भागो को मिश्रित कर संयुक्त रूप प्रदान किया जाता है। उदाहरण_ बालक लकडी के छोटे-2 गुटको से दीवार बनाते है और फिर उसे गिरा देते है। इसमे दोनो पद शामिल है। विश्लेषण और संश्लेषण भी।

6 मूल्यांकन

इसमे विषय से सम्बन्धित विशिष्ट उद्देश्यो को प्राप्त करने मे कहाँ तक सफलता प्राप्त की है। जो कुछ अधिगम किया है उसके मूल्य को आँकना ही मूल्यांकन कहलाता है। और शिक्षक द्वारा छात्रो को उनकी उपलब्धि बताना।

NOTE :- Complete this Topic next turn.

Thankyou

by →
Mr. Parveen Raj
Assis. Prof. —
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner